Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to ensure transparency in development of Maghar, the birth place of Sant Kabir in Uttar Pradesh.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर) : पिछले वर्ष 20 दिसंबर 2016 को केद्रीय पर्यटन मंत्री द्वारा हेरिटेज सर्किट के तहत स्वदेश दर्शन योजना में महान संत कबीर दास की समाधि स्थल मगहर को विकसित करने हेतु 24.16 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई थी। तत्कालीन पर्यटन मंत्री द्वारा उक्त योजना का शिलान्यास भी 29 दिसम्बर, 2016 को कर दिया गया था। उक्त योजनाओं को सम्पादित करने की जिम्मेदारी पर्यटन मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाले सार्वजनिक उपक्रम वैप्कोस को दी गई थी, लेकिन मुझे बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि वैप्कोस द्वारा बहुत ही उपेक्षापूर्ण एवं गैर-जिम्मेदाराना तरीका अपनाया गया जिसके कारण अभी तक एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य शुरू नहीं हो सका जिसके कारण करोड़ों कबीर भक्तों में निराशा का भाव है। यहां यह भी चर्चा करना उपयुव्त होगा कि वैप्कोस के प्रबन्ध निदेशक और मुख्य अभियंता इस मामले में बिल्कुल भी रूचि नहीं ले रहे हैं। इसका सबसे बड़ा उदारहण यह है कि कई बार संपर्क करने और अनुरोध करने के बाद भी आज तक मुझे डी.पी.आर. की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई और पूरे कार्य को अपारदर्शी तरीके से चलाने की कोशिश की जा रही है। जिससे इस बात की पूरी सम्भावना है कि कबीर के विचारों के अनुरूप उनका समाधि स्थल विकसित नहीं हो पाएगा। जिससे सरकार द्वारा खर्च की जा रही राशि का कबीर के विचारों के अनुरूप विकास नहीं हो पाएगा।

इस संदर्भ में अनुरोध है कि अधिकारियों को पारदर्शी तरीके अपनाने और उसकी जन-प्रतिनिधियों और आम जन की आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए इस कार्य को तत्काल शुरू कराने एवं जल्द पूर्ण कराने हेतु उचित दिशा-निर्देश जारी करने का कष्ट करें।